।। आरती श्री झूलेलाल सांई ।।

ऊँ जय दूलह देवा, स्वामी जय दूलह देवा
पूजा कनि़ था प्रेमी, सिदिकु रखी सेवा ..... ऊँ जय .....

तुहिंजे दर ते केई सज़ण अचनि स्वाली
दानु वठनि सभु दिलि साँ, को न दि़ठुमि खाली ... ऊँ जय ..

अधिरनि खे दीं अखिड़ियूँ, दुखीयन खे दारूँ
मन जूं पाए मुरादूं, सेवक कनि थारूँ ... ऊँ जय ..

फल फुल मेवा सब्जियूं, पोखुनि मँझि पचनि
तुहिंजे महिर मया साँ, अन्न अपार थियनि ... ऊँ जय ..

जोति ज़गे थी जग़ में, लाल तुहिंजी लाली
अमरलाल अचु मूँ वटि, हे विश्व जा वाली ... ऊँ जय ..

जग जा जीव सभेई, पाणीअ बिनि प्यासा
ज़ेठानंद आनंद कनि, पूरण कनि आशा ...

ऊँ जय दूलह देवा, स्वामी जय दूलह देवा
पूजा कनि़ था प्रेमी, सिदिकु रखी सेवा ..... ऊँ जय .....